| 1

Copyright © 2020 Vhp. | All rights reserved. . . | 1

शोकसंदेश
विश्व हिन्दू परिषद् के पूर्व अध्यक्ष श्री विष्णु हरि डालमियां के निधन से सिर्फ विहिप ही नहीं सम्पूर्ण हिन्दू समाज को एक अपूर्णीय क्षति हुई है. अपने शोक प्रस्ताव में विहिप अध्यक्ष श्री विष्णु सदाशिव कोकजे ने कहा है कि श्री डालमियां सरलता, सक्रियता, सौम्यता व दृढ़ता के संगम थे. वे विश्व हिन्दू परिषद् से एक लम्बे कालखंड तक जुड़े रहे. हर मुद्दे पर उनके सम्वेदनशील विचार मस्तिष्क को झकझोर देते थे. 1979 में प्रयागराज की पुण्य भूमि पर द्वितीय विश्व हिन्दू सम्मलेन के स्वागताध्यक्ष के रूप में जुड़े देश के ये प्रसिद्द उद्योगपति विहिप के उपाध्यक्ष, कार्याध्यक्ष व अध्यक्ष के रूप में सन् 2005 तक जुड़े रहे. वे 1992 से 2005 तक उदयपुर के महाराणा के बाद विहिप के चतुर्थ अध्यक्ष बने. वे एक महान गौभक्त, दानदाता के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी सेवा संस्थान, मथुरा के उपाध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि न्यास के प्रन्यासी तथा विहिप के संरक्षक व आजीवन प्रन्यासी थे. श्री राम जन्मभूमि के सन्दर्भ में हुईं विविध वार्ताओं में उनकी सक्रिय भूमिका थी. वे श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर की अधूरी साध लेकर चले गए. उनके इस अधूरे सपने को पूरा करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी.
17 जनवरी 1928 को राजस्थान के झुंझुनू जिलान्तर्गत चिडावा में जन्मे श्री डालमिया उद्योग – व्यापार जगत की अनेक नामीग्रामी कंपनियों, संस्थाओं, संगठनों यथा एक्सपोर्ट इम्पोर्ट बैंक, चेम्बर्स ऑफ कोमर्स एंड इंडस्ट्रीज, फेडरेशन ऑफ इण्डियन चेंबर ऑफ कोमर्स एंड इंडस्ट्रीज इत्यादि के विविध पदों पर सक्रिय रहे.
जारी कर्ता :
विनोद बंसल
राष्ट्रीय प्रवक्ता
विश्व हिन्दू परिषद्,
ट्वीट: @vinod_bansal
M – 9810949109